

वशिव कषय रोग दविस 2022

प्रलिमिस के लयि:

कषय रोग, तपेदकि से नपिटने के प्रयास ।

मेन्स के लयि:

वशिव कषय रोग दविस, स्वास्थय, सरकारी नीतयिों और हस्तकषेपों के पालन का महत्त्व ।

चर्चा में कयों?

प्रतवर्ष 24 मार्च को [वशिव कषय रोग \(टीबी\) दविस](#) इसके वनिाशकारी सामाजकि आर्थकि और स्वास्थय परणामों के बारे में जागरूकता फैलाने तथा वशिव स्तर पर टीबी महामारी को समाप्त करने के प्रयास करने के लयि मनाया जाता है ।

- इससे पहले वर्ष 2021 में [बेसलि कैलमेट-गुएरनि \(BCG\) वैक्सीन](#) के लयि शताब्दी समारोह मनाया गया था, जो वर्तमान में टीबी की रोकथाम हेतु उपलब्ध एकमात्र वैक्सीन है ।

वशिव टीबी दविस और इसका महत्त्व:

- इस दनि 1882 में डॉ. रॉबर्ट कोच ने एक [माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस](#) की खोज की घोषणा की जो टीबी का कारण बनता है और उनकी खोज ने इस बीमारी के नदिन और इलाज का रास्ता खोल दया ।
- आज भी टीबी दुनिया के सबसे घातक संक्रामक रोगों में से एक है । [वशिव स्वास्थय संगठन](#) के अनुसार, हर दनि 4100 से अधिक लोग टीबी से अपनी जान गँवाते हैं और लगभग 28,000 लोग इस बीमारी से ग्रसति होते हैं । एक दशक से अधिक समय में पहली बार 2020 में टीबी से होने वाली मौतों में वृद्धा हुई है ।
 - डब्ल्यूएचओ के अनुसार, वर्ष 2020 में लगभग 9,900,000 लोग टीबी के कारण बीमार पड़ गए और लगभग 1,500,000 लोगों की मृत्यु हो गई । वर्ष 2000 से टीबी को समाप्त करने के लयि वशिव स्तर पर कयि गए प्रयासों से 66,000,000 लोगों की जान बचाई गई है ।
 - दुनिया भर में कुल टीबी मामलों में भारत का हसिसा लगभग 26% है ।
- इसलयि वशिव टीबी दविस दुनिया भर के लोगों को टीबी रोग और उसके प्रभाव के बारे में शकिषति करने के लयि मनाया जाता है ।

वशिव टीबी दविस 2022 की थीम

- इस वर्ष की थीम है- "इन्वेस्ट टू एंड टीबी. सेव लाइव्स ।"
- यह वषिय तपेदकि (टीबी) के खलिाफ लड़ाई में तेज़ी लाने और तपेदकि को समाप्त करने हेतु दुनिया भर के नेताओं द्वारा की गई प्रतबिद्धताओं को पूरा करने के लयि संसाधनों के नविश की आवश्यकता पर ज़ोर देता है ।

टीबी से नपिटने हेतु पहल

- वैश्वकि प्रयास:**
 - वशिव स्वास्थय संगठन ने [ग्लोबल फंड](#) और [स्टॉप टीबी पार्टनरशिप](#) के साथ एक संयुक्त पहल "फाइंड. ट्रीट. ऑल. #EndTB" की शुरुआत की है ।
 - वशिव स्वास्थय संगठन '[ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोरट](#)' भी जारी करता है ।
- भारत के प्रयास:**
 - [कषय रोग उनमूलन हेतु राष्टरीय रणनीतिक योजना](#) (2017-2025), नकिषय पारसिथतिकी तंत्र (राष्टरीय टीबी सूचना प्रणाली), नकिषय पोषण योजना (NPY- वत्तीय सहायता), '[टीबी हारेगा, देश जीतेगा अभियान](#)' ।
 - वर्तमान में, टीबी के लयि दो टीके- VPM (वैक्सीन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट) 1002 और MIP (माइकोबैक्टीरियम इंडकिस प्रणी) वकिसति कयि

गए हैं और यह चरण-3 नैदानिके परीक्षण के तहत हैं ।

‘क्षय रोग’ (TB)

■ परिचय:

- टीबी या क्षय रोग ‘माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस’ नामक जीवाणु के कारण होता है, जो कलिंगभग 200 सदस्यों वाले ‘माइकोबैक्टीरियासी परिवार’ से संबंधित है ।
 - कुछ माइकोबैक्टीरिया मनुष्यों में टीबी और **कुष्ठ रोग** का कारण बनते हैं तथा अन्य काफी व्यापक स्तर पर जानवरों को संक्रमित करते हैं ।
- टीबी, मनुष्यों में सबसे अधिक फेफड़ों (पल्मोनरी टीबी) को प्रभावित करता है, लेकिन यह अन्य अंगों (एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी) को भी प्रभावित कर सकता है ।
- टीबी एक बहुत ही प्राचीन रोग है और मसिर में तकरीबन 3000 ईसा पूर्व में इसके अस्तित्व में होने का दस्तावेज़ीकरण किया गया था । टीबी एक इलाज योग्य रोग है ।

■ ट्रांसमिशन

- टीबी रोग **हवा के माध्यम** से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है । जब ‘पल्मोनरी टीबी’ से पीड़ित कोई व्यक्ति खाँसता, छींकता या थूकता है, तो वह टीबी के कीटाणुओं को हवा में फैला देता है ।

■ लक्षण

- ‘**पल्मोनरी टीबी**’ के सामान्य लक्षणों में बलगम के साथ खाँसी और कई बार खून आना, सीने में दर्द, कमजोरी, वज़न कम होना, बुखार और रात को पसीना आना शामिल है ।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQ)

‘डॉक्टरस वदिउट बॉर्डर्स (मेडिसिनि सैस फ्रंटियर्स)’ जो प्रायः समाचारों में आया है: 2016

- (a) विश्व स्वास्थ्य संगठन का एक प्रभाग
- (b) एक गैर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन
- (c) यूरोपीय संघ द्वारा प्रायोजित एक अंतःसरकारी एजेंसी
- (d) संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी

उत्तर: (b)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/world-tuberculosis-day-2022>